

Vijay Kumar Sh

Asst Prof

Dept in History

V.S.T. College Rajnagar

Degree Part III

Paper-V

Regional language and literature during Mughals.

मुगल वायशाह जिस तरह राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक मुद्दों के लिए प्रसिद्ध माने जाते थे उसी तरह वे कला, संस्कृति के प्रति भी पूर्ण प्रोद्यता रखते थे। मुगल काल में देश का उच्चकोटि के सांस्कृतिक विकास हुआ। साम्राज्य से इस काल के सभी शासक उच्चकोटि के विद्वान तथा विद्वानराजी थे। शासक स्वयं उच्चकोटि के कवि तथा लेखक थे अतएव उनके दरबार साहित्यकारों से भरा था।

साहित्यकारों के संघर्ष से मुगल काल में साहित्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व उत्थति हुई। तुर्कों के वंशज विद्वान तथा विद्याप्रेमी थे। वाबर तुर्की भाषा के स्वयं कवि और लेखक थे। हुमायुं वाबर के रचित ग्रंथ वाबर नामा इसका उत्कृष्ट प्रमाण है। हुमायुं गणित, ज्योतिष, साहित्य के अच्छा ज्ञाता थे उनकी वंश में हुमायुं नामा लिखी।

वाबर के समय में फारसी साहित्य का अच्छा प्रगति हुआ वाबर के काल में अबुल-फजल सर्वश्रेष्ठ कवि था जिन्होंने अकबर नामा तथा आईन-अकबरी जैसे ग्रंथ लिखे साथ ही निजामुद्दीन का इकबाले अकबर, बदायुनी का मुनश्खाव-उत तवाश्कि, तजकिरातुल वाकया, सरवानी का ताफ-ए-अकबरवाही आदि मौलिक ग्रंथ अकबर कालीन इतिहास के साहित्यिक साधन हैं। स्वयं सम्राट

अकबर ने पंचतंत्र, रामायण, महाभारत, राजतरंगिणी, इतिहास पुराण आदि संस्कृत भाषा के ग्रंथों का फारसी भाषा में अनुवाद करवाया। इस काल नामा में हुय समय के उत्कृष्ट ग्रंथ थे। तत्कालीन कवियों में अब्दुल इक बइलकी फारसी का नामचीन कवि था। अकबर के शासन काल में - शाहजहाँ नामा, कदरगुई नामा

CH					
o	Tu	We	Th	Fr	Sa
5	6	7	8	9	10
12	13	14	15	16	17
19	20	21	22	23	24
26	27	28	29	30	31

Monday

आबुल इमीद लाहौरी ने लिखा। ब्राह्मणों के बड़े पुत्र द्वारा न केवल
फारसी और संस्कृत के विद्वानों को अपने प्रांतिक उपनिषदों को संस्कृत
में लिखना भी कराया। प्रॉजेक्ट के काम में अलमोरा नाम
मिर्जा मोहम्मद कासी का किस्मत है। भीमसेन ने दुर्लभ लिखित
रचा हुआ शोध कि रचना फारसी कि अच्छी समझावटि
करीमा है।

मकर हिंदी कवियों के संरक्षण में उनके संरक्षण
में केवल जैसे लयाकार तथा रामसेन जैसे संगीतकार जो
काल को सबसे महान् कवि तुलसीदास के जिह्म रचना
की रचना की। रामाधर। हिन्दी साहित्य कि सर्वोत्कृष्ट
में से एक है। सुरदास जिह्म कृष्णार्ति के प्रसिद्ध गुरु
दुरदास की रचना किथ था। मकर के बाद साहित्य
में के छवारी कवि सुन्दर व कुजभाषी में सुन्दर संगीत के
रचना की अथ प्रसिद्ध कवि केवल, भुवना, धास आदि
जिह्म अंग्रेजों के कविताओं से हिन्दी साहित्य के
संरक्षण एवं संवर्धन किया।

हिन्दी, बंगाली, बंगाली आदि भाषाओं का
अवधारण कर उनके साहित्य को बढ़ाने में अर्धर शक्ति
खानखाना, रसरवान, मालिक मोरमर, आदि रचना
मिर्जा सुलत का नाम आता है। रसरवान कृष्ण के अर्थ
उगकी रचनाओं अर्धर दुर्लभाही और अनुकूलपूर्ण है।

इस समय हिन्दुओं और मुसलमानों के एक
बदले के कारण एक ही भाषा का जन्म हुआ जिसे उर्दू कहते हैं
शकील के बीजापुर और गोलकुण्ड में उर्दू भाषा कि प्राथमिक कि
रूप। उर्दू के प्राथमिक कवि नसी औरंगाबाद के रहनेवाला था
वह उर्दू कविता का भा। औरंगाबाद ही उर्दू की अन्त
प्रसिद्ध उर्दू कवि का संरक्षण था। प्रॉजेक्ट कि सुधारण
उर्दू कविता कि बड़ी उत्पत्ति हुई प्राथमिक, शोध, तर्क, भीम
में उर्दू कविता में उर्दू साहित्य का संरक्षण कर दिया

मुगल काल में अवधी तथा ब्रजभाषा काव्य का भी विकास हुआ। अवधी के प्रसिद्ध कवि मलिक मोहम्मद जायसी शेरशाह के समकालीन थे। पद्मनाभ । ईन्दी का सुप्रसिद्ध महाकाव्य है, कवीर, सूर, तुलसी, रूपण आदि अवधी भाषा के प्रसिद्ध कवि थे।

मुगलकाल में क्षेत्रीय भाषाओं का विकास हुआ। बंगाली, मराठी, पंजाबी, गुजराती, उड़ीसा, राजस्थानी, तमिल एवं तेलगू में कई ग्रंथ लिखे गये। बंगाली भाषा के मुख्य कवि - कृष्णदास, कविराज, वृन्दावनदास नरेशरि चक्रवर्ती तथा रचनाओं में चैतन्यामृत, चैतन्यभाषावत, भाक्ति रत्नाकर आदि मुख्य हैं।

मराठी साहित्य के क्षेत्र में, तुकराम, रामदास, वामन पंडित शकनाथ आदि कवियों ने अपनी रचनाओं से साहित्य का उत्थान किया। कासीराम दास के महाभारत जो बंगाल में रचित है काफी चर्चित है। फारसी, ईन्दी तथा उर्दू कि तरह संस्कृत का आधीव

विकास नहीं हो सका। अकबर के समय में फारसी संस्कृत शब्दावली भाषा केश लिखा। महेश ठाकुर ने संस्कृत में अकबरकालीन इतिहास लिखा। हरिसोभाग्यम् नामक संस्कृत पुस्तक कि रचना अकबर के काल में हुई थी। अकबर के बाद संस्कृत का समुचित विकास नहीं हो सका। संस्कृत के विकास में जैनों का भी योगदान रहा जैन आचार्य पद्म सुन्दर एवं सिद्धि चन्द्र ने अकबर यादों, शृंगारखन एवं भानुचन्द्र चरित नामक ग्रंथ कि रचना किया।

इस प्रकार निष्कर्षतः मुगलकाल का साहित्य के विकास के क्षेत्र में स्वर्ण मानना उचित होगा।

CH	2019					
lo	Tu	We	Th	Fr	Sa	
				1	2	
4	5	6	7	8	9	
1	12	13	14	15	16	
8	19	20	21	22	23	
5	26	27	28	29	30	